6 हजार के इनामी तीन आरोपी पकड़ाये

खास बातें

- करीब 4 माह से थे फरार
- उनारसीकलां पुलिस की कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिरोंज 23 मार्च, थाना उनारसीकलां पुलिस ने कार्यवाही करते हुए लगभग 4 माह से फरार चल रहे 6 हजार रुपये के इनामी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में जिलेभर में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है. इसी अभियान के तहत थाना उनारसीकलां पुलिस ने कार्यवाही करते हुए लगभग 4 माह से फरार चल रहे इनामी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गत दिनों फरियादी राजेन्द्र पिता हनुमंत शर्मा निवासी ग्राम मोतीपुर द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि ग्राम के ही प्रदीप शर्मा, चंद्रमोलेश्वर एवं राघव शर्मा ने तालाब के पंचनामा पर हस्ताक्षर करने की बात को लेकर गाली-गलौज करते हुए फरियादी, उसकी पत्नी सावित्री बाई शर्मा एवं पुत्री मंटो बाई शर्मा के साथ हाथ, थप्पड़ों एवं डंडों से मारपीट की. उक्त रिपोर्ट पर थाना उनारसीकलां में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. उपचार हेतु फरियादी की एमएलसी सीएचसी लटेरी में कराई गई. जिसमें फरियादी को गंभीर चोट पाये जाने पर प्रकरण में धारा का इजाफा किया गया. प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक विदिशा द्वारा कुल 6 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था. तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा सतत प्रयास करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया. यह संपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी लटेरी अमरेश बोहरे के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी उनारसीकलां के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई. पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक गोसिया सुल्तान, सहायक उप निरीक्षक जितेन्द्र शर्मा, प्रधान आरक्षक रविकांत राव, प्रधान आरक्षक कुलदीप सिंह, आरक्षक घनश्याम, मोहित, कृष्णपाल राजपूत एवं चरनजीव की सराहनीय भूमिका रही.

गर्मी शुरू होते ही नजर आने लगे ऊंटो के झुंड

नवभारत न्यूज

पठारी 23 मार्च, गर्मी का मौसम शुरू होते ही पठारी क्षेत्र में राजस्थान से आने वाले पशुपालकों की आवाजाही बढ़ गई है. रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले ऊंट सहित भेड़ बकरियां भी उनके साथ ही बड़े झुंड के साथ यहां पहुंचने लगे हैं. जिससे गांव और आसपास के खेतों में रौनक दिखाई देने लगी है. ये पशुपालक अपने परिवार और मवेशियों के साथ लंबी दूरी तय कर यहां आते हैं और खाली पड़े खेतों में अपने डेरे डालते हैं.

स्थानीय लोगों के अनुसार, ये पशुपालक कई महीनों तक यहीं रहते हैं. इस दौरान वें अपने पशुओं को आसपास के क्षेत्रों में चराते हैं और खेतों में रुककर अस्थायी निवास बनाते हैं. पशुपालकों का कहना है कि राजस्थान में गर्मी और चारे की कमी के कारण उन्हें दूसरे प्रदेशों के इलाकों की ओर रुख करना पड़ता है, जहां उन्हें पर्याप्त चारा और पानी मिल सके. पठारी क्षेत्र के किसानों को भी इससे कुछ हद तक लाभ होता है, क्योंकि पशुओं के गोबर से खेतों की उर्वरता बढ़ती है. हालांकि, कुछ किसानों ने फसलों को नुकसान की आशंका भी जताई है.

दिनभर आसमान में छाये रहे बादल

नवभारत न्यूज

सिरोंज, क्षेत्र में सोमवार को दिन में आसमान में बादल छाये रहे. इस दौरान बादलों में सूरज की लुकाछुपी का दौर चलता रहा. क्षेत्र में मौसम में इन दिनों बदलाव दिखाई दे रहा है. मौसम में आ रहे बदलाव से लोग चिंतित हैं.क्षेत्र में इन दिनों मौसम में बार-बार बदलाव दिखाई दे रहा है. कभी तेज गर्मी का माहौल है. तो कई बार आसमान में बादल छा जाते हैं. जिससे तापमान में कमी आ जाती है. मौसम एवं तापमान में बार-बार आ रहे बदलाव से मौसमी बीमारियों ने भी पैर पसारना शुरू कर दिए हैं. क्षेत्र में सोमवार को दोपहर में मौसम ने करवट ली. इस दौरान आसमान में बादल छाये रहे. क्षेत्र में मौसम में आ रहे बदलाव से लोग चिंतित है.

घरेलू गैस के व्यवसायिक उपयोग पर सख्ती, कारोबारियों ने उठाए सवाल

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. प्रशासन द्वारा रेस्टोरेंट, होटल एवं छोटे कारोबारियों को घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यवसायिक कार्यों में न करने की सख्त हिदायत दी जा रही है.इस कार्रवाई के बाद स्थानीय व्यापारियों में असंतोष देखने को मिल रहा है. उनका कहना है कि प्रशासन को केवल रोक-टोक करने के बजाय पहले व्यवसायिक उपयोग के लिए पर्याप्त गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि वे अपना कारोबार सुचारू रूप से चला सकें.व्यापारियों ने सवाल उठाया कि जब सरकार द्वारा गैस की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया जा रहा है, तो बाजार में कमी क्यों बनी हुई है. गैस की कमी के कारण आम जनता भी परेशानी का सामना कर रही है.उन्होंने कहा कि एक ओर गैस की कमी से लोग जूझ रहे हैं.

बेतवा पुल से लापता युवक चार दिन बाद खुद पहुंचा पुलिस चौकी, मचा हड़कंप

- कपड़े, जूते और मोबाइल छोड़कर हुआ था गायब
- गोताखोर करते रहे तलाश, वजह अब भी स्पष्ट नहीं

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. बेतवा नदी के पुल से रहस्यमय तरीके से लापता हुआ युवक चार दिन बाद अचानक अंबा नगर पुलिस चौकी पहुंच गया, जिससे पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए.जानकारी के अनुसार युवक पुल पर अपने कपड़े, जूते और मोबाइल रखकर गायब हो गया था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और पिछले चार दिनों से गोताखोरों की मदद से नदी में लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा था, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया.इसी बीच अचानक युवक के पुलिस चौकी पहुंचने से मामले ने नया मोड़ ले लिया. युवक बजाज फाइनेंस कंपनी में कार्यरत बताया जा रहा है.फिलहाल युवक मानसिक रूप से विचलित प्रतीत हो रहा है और कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और यह जानने का प्रयास कर रही है कि आखिर युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया.

चित्रगुप्त जयंती पर भव्य शोभायात्रा की तैयारी तेज

नवभारत न्यूज

विदिशा, 23 अप्रैल को भगवान चित्रगुप्त के प्राकट्य दिवस पर भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारियां तेज हो गई हैं. इस संबंध में चित्रगुप्त मंदिर शेरपुरा में कायस्थ समाज की बैठक आयोजित हुई.बैठक में शोभायात्रा मार्ग, स्वागत द्वार, फ्लेक्स-होर्डिंग, विशेष रथ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर चर्चा कर सहमति बनी. रथ पर भगवान चित्रगुप्त को परिवार सहित विराजमान किया जाएगा. साथ ही घोड़े, बैंड-बाजे, ताशे-ढोल शामिल रहेंगे.कायस्थ सभा के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने बताया कि समाजजनों ने विभिन्न संगठनों से संपर्क कर अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया.बैठक में सहयोग राशि भी एकत्रित की गई.

नवरात्रि पर ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र में कार्यक्रम नारी शक्ति और राजयोग का दिया संदेश

बीके कौस्तुभमणि दीदी ने पवित्रता और साइलेंस की शक्ति से समाज परिवर्तन पर दिया जोर

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवाकेंद्र द्वारा चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में भोपाल से पधारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कौस्तुभमणि दीदी ने मातृशक्ति की महिमा का गुणगान करते हुए समाज में नारी की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया.

उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज में विकारों की वृद्धि हो रही है, जिससे नैतिक पतन बढ़ता जा रहा है. ऐसे समय में पवित्रता और राजयोग के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के विकारों को समाप्त कर सकता है और दैवीय गुणों को धारण कर सकता है. उन्होंने बताया कि परमपिता परमात्मा शिव की श्रीमत पर चलकर ब्रह्माकुमारी संस्थान सहज राजयोग के माध्यम से भारत को पुन: श्रेष्ठ और पावन बनाने का कार्य कर रहा है.दीदी ने नारी शक्ति को समाज का आधार बताते हुए कहा कि नारी अबला नहीं, बल्कि सबला और शक्ति स्वरूपा है. वर्तमान समय में परमात्मा स्वयं राजयोग की शिक्षा देकर मानव को देवतुल्य बनाने का कार्य कर रहे हैं.कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने साइलेंस की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन की शांति से ही जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है. साइलेंस हिंसा को समाप्त कर शांति स्थापित करता है और हमें मजबूत बनाता है.वरिष्ठ वास्तुकार बीके रमा दीदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कर्म और योग के संतुलन पर प्रकाश डाला. वहीं बीके रुक्मणी दीदी ने अपनी सक्रियता से सभी का उत्साहवर्धन किया. बीके नन्दनी एवं बीके अनु द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया, जबकि बीके पुष्पा बहन ने नारी शक्ति की प्रतिज्ञा कराई.कार्यक्रम में शहर की अनेक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. अंत में सभी ने ईश्वरीय प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया.

मेरे राम आयेंगे भजन पर झूमे श्रोता

महामाई दरबार में हुआ देवी जागरण

स्वस्ति मेहुल ने दी सुमधुर भजनों की प्रस्तुति

नवभारत न्यूज

सिरोंज, महामाई मेले में रविवार देर शाम भक्ति, आस्था और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला. इस मौके पर प्रसिद्ध भजन गायिका स्वस्ति मेहुल ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से पूरे परिसर को भक्तिमय कर दिया. उनके भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा परिसर भक्ति रस में डूब गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मां महामाई की विधिवत पूजा-अर्चना एवं पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया.

इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने स्वस्ति मेहुल एवं उनकी टीम का स्वागत किया. इस दौरान विधायक श्री शर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का संगम है. कार्यक्रम के दौरान जब स्वस्ति मेहुल ने मेरे राम आएंगे भजन प्रस्तुत किया, तो श्रद्धालु नृत्य करने लगे. पूरे परिसर में भक्ति और उल्लास का अनोखा दृश्य देखने को मिला. कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई. जिसके बाद एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए. विशेष रूप से सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की मित्रता पर आधारित भजन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा स्वयं सुदामा का रूप धारण कर मंच पर पहुंचे. जागरण कार्यक्रम देर रात तक चला. जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे. इस अवसर महामाई सेवा समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या मे जनसमुदाय उपस्थित रहा.

श्रीकृष्णायन की संगीतमयी प्रस्तुति आज

महामाई महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है. इसी क्रम में आज श्रीकृष्णायन के अंतर्गत भगवान श्रीकृष्ण एवं मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक झलकियों पर आधारित संगीतमयी प्रस्तुति कलाकार मोहित शेरवानी एवं उनकी टीम द्वारा दी जाएगी. इसके साथ ही मेले में प्रतिदिन रामलीला एवं रासलीला का मंचन भी किया जा रहा है. जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. नवरात्रि में बड़ी संख्या में भक्त माता महामाई के दर्शन करने पहुंच रहे हैं. जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है.

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज का आयोजन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. नगर पालिका परिषद गंजबासौदा द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया.कार्यक्रम में पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी आर.के. नेमा द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ किया गया तथा सफाई मित्रों को सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई.इस दौरान सहयोगी संस्था आवरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से अभिषेक शर्मा द्वारा सफाई मित्रों को पीपीई किट के उपयोग एवं आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई.कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई मित्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना एवं उन्हें जागरूक बनाना रहा.

मेहगांव में आग से तीन एकड़ गेहूं की फसल राख

ग्रामीणों और फायर ब्रिगेड की तत्परता से टला बड़ा नुकसान, शॉर्ट सर्किट की आशंका

नवभारत न्यूज

सांची. सांची थाना क्षेत्र के ग्राम मेहगांव में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लगने से लगभग तीन एकड़ फसल जलकर राख हो गई. यह घटना जयमातादी वेयरहाउस के सामने स्थित खेतों में हुई, जहां किसान रामबाबू बघेल एवं ब्रजेश बघेल की फसल आग की चपेट में आ गई.

घटना की सूचना मिलते ही सांची पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल फायर ब्रिगेड को बुलाया गया. फायर ब्रिगेड टीम एवं ग्रामीणों ने मिलकर ट्रैक्टरों की सहायता से खेत के चारों ओर नालियां बनाकर आग पर काबू पाया, जिससे आग आसपास के अन्य खेतों तक नहीं फैल सकी. मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए और आग बुझाने में सहयोग किया.सूचना मिलते ही तहसीलदार भी घटनास्थल पर पहुंचे और हल्का पटवारी को नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है.

खड़ी फसलों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्युत मंडल ने एहतियातन कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रखने का निर्णय लिया है. वरिष्ठ अधिकारियों ने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि आवश्यकता अनुसार बिजली सप्लाई रोकी जाए, ताकि आगजनी जैसी घटनाओं से बचाव हो सके.इसी क्रम में मेढकी सबस्टेशन के अंतर्गत आने वाले गांव—मेढकी, रतनपुर, खामखेड़ा, तिजालपुर, बहेड़िया, बराईखास, बरोला, भाटिया टोला, भगवानपुर, बेसर, ढकना एवं चपना—में मंगलवार को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी.मंडल अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने आवश्यक कार्य समय रहते निपटा लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो.

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया सहभाग, फूल-मिठाई से हुआ भव्य स्वागत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. आज दिनांक 22 मार्च 2026 को ठिकाना मसूदपुर के जागीरदार परिवार द्वारा परंपरागत रूप से भगवान गणगौर चल समारोह का भव्य आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में सैकड़ों गांव के महिला एवं पुरुषों ने शामिल होकर जल समारोह में भाग लिया और भगवान गणगौर के दर्शन किए. चल समारोह की आकर्षक झलकियां देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और सभी ने कार्यक्रम का आनंद उठाया.चल समारोह हवेली से प्रारंभ होकर गणगौर बाग की ओर रवाना हुआ. इस दौरान रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा फूलों, फलों एवं मिठाइयों से भव्य स्वागत किया गया.हवेली से गणगौर बाग की दूरी लगभग 1 किलोमीटर है, जिसमें जुलूस के रूप में करीब 1 किलोमीटर लंबी कतार देखने को मिली. भगवान गणगौर के पीछे बड़ी संख्या में महिलाएं चल रही थीं, वहीं उनके पीछे पुरुषों की भी लंबी कतार रही.पूरा वातावरण भक्ति और उत्साह से सराबोर नजर आया.

आयोजन | **कोरोना काल का उदाहरण देकर बोले—धन नहीं, संतों का संग ही जीवन का सच्चा आधार**

भक्तमाल कथा के तृतीय दिवस में भक्ति और सत्संग का महत्व बताया

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. वेत्रवती तट स्थित श्री नौलखी तपोवन आश्रम में भगवान जगन्नाथ जी एवं प्रभु सीताराम जी के द्वितीय पाटोत्सव के अवसर पर आयोजित श्री भक्तमाल कथा के तृतीय दिवस पर वृंदावन से पधारे भागवताचार्य ज्योतिषाचार्य डॉ. अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने भक्ति और सत्संग के महत्व पर प्रकाश डाला.

उन्होंने कहा कि जब भगवान किसी पर विशेष कृपा करते हैं, तभी उसे सत्संग का अवसर प्राप्त होता है. साधु संगति ही जीवन को सार्थक बनाती है. धन, पद, प्रतिष्ठा और वैभव जीवन में मिल सकते हैं, लेकिन ये सभी क्षणिक हैं और इनका अंत निश्चित है.कथा के दौरान उन्होंने बताया कि संसार में धन, यश और प्रतिष्ठा प्राप्त की जा सकती है, लेकिन यदि जीवन में भक्ति नहीं है तो सब अधूरा है. भक्ति ही जीवन को पूर्णता प्रदान करती है और आत्मा को परम शांति देती है.कोरोना काल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उस समय धन और संसाधन भी कई लोगों के काम नहीं आए, जिससे स्पष्ट होता है कि सच्चा सुख केवल भगवान के भक्तों और संतों के संग में ही है.उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी के भावों का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्संग भगवान की कृपा से ही प्राप्त होता है. यदि भगवान हमारी पात्रता देखने लगें तो हम इसके योग्य भी न रहें, इसलिए हमें उनकी कृपा की प्रार्थना करनी चाहिए.कथा व्यास ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि भक्तमाल कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारने के लिए है. संतों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर ही मनुष्य अपने जीवन को सफल बना सकता है.इस अवसर पर पूज्य कृष्णा माँ आश्रम पहुंचीं और भगवान के दर्शन कर महंत राम मनोहर दास जी महाराज से आध्यात्मिक चर्चा की. आश्रम समिति द्वारा उनका सम्मान किया गया.कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री ठाकुर जी, संत शिरोमणि श्री नाभादास जी एवं संत परंपरा को प्रणाम कर की गई. कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने भक्तिमय वातावरण में कथा का रसास्वादन किया.

ग्रामीणों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर किया जागरूक

नवभारत न्यूज

सिरोंज, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बामोरीशाला सेक्टर के विभिन्न गांवों में जल संरक्षण को लेकर जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. सर्वधर्म जन कल्याण सेवा समिति के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने ग्राम बरेज, चाठोली, बड़ौदाताल और कार्राखेड़ी में मिलकर इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया. जल है, तो कल है के नारों के साथ सोमवार को कार्यक्रम में व्यापक स्तर पर दीवार लेखन किया गया. गांव की दीवारों पर उकेरे गए ये संदेश न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें जल के महत्व के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं. ग्राम बरेज में पर्यावरण संरक्षण के तहत ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से वृक्ष पूजन कर प्रकृति के प्रति अपनी आस्था और जिम्मेदारी का परिचय दिया. इसके साथ ही एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया. संगोष्ठी में जल संरक्षण के महत्व, वर्तमान परिदृश्य में जल संकट और इसके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई. नवांकुर संस्था प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने जल की अनिवार्यता को सरल और भावनात्मक शब्दों में समझाते हुए सभी से जल बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया. इस अवसर पर संजीव दांगी, बलराम सिंह राजपूत, राधारमण कुर्मी, नवल सिंह राजपूत आदि मौजूद रहे.